वार्तालाप-566, मुम्बई-1, दिनांक 11.05.08

Disc.CD No.566, dated 11.5.08 at Mumbai-1

समयः 03.00-06.29

जिज्ञासुः बाबा, सिक्खों का जो गुरुद्वारा होता है, वहाँ पर लोग तलवार लेके खड़े रहते हैं। उसका कारण क्या है?

बाबाः सिक्ख लोग जब ज्ञान की तलवार बुद्धि रूपी हाथ में पकड़ लेंगे, तो विजय-विजय हो जाएगी। वो तो स्थूल तलवार दिखाई है। स्वतंत्रता संग्राम में सिक्खों की। लेकिन वो तो स्थूल स्वतंत्रता मिली। सच्ची स्वतंत्रता नहीं मिली। तलवार भी हिंसक थी। वो सच्ची तलवार नहीं है। असली तलवार कौनसी मिलती है सिक्खों को और कहाँ मिलती है? संगमयुग में। लेकिन उनके लिए गायन है कि दोपहर के बारह बजे आँख खुलती है। जब सूरज बहुत चढ़ जाता है, बहुत ही गरम हो जाता है तब वो तलवार हाथ में लेते हैं। फिर भारत की विजय हो जाती है।

Time: 03.00-06.29
Student: Baba, In the Gurudwaras of the Sikhs they stand with swords. What is its reason?
Baba: When Sikhs start holding the sword of knowledge in their hand like intellect, then victory will be achieved. That is the physical sword of Sikhs that has been shown in the freedom struggle. But it was just the physical freedom that was achieved. We did not achieve the true freedom. The sword was also violent; it is not a true sword. Which is the true sword that the Sikhs get and when do they get it? In the Confluence Age. But it is famous about them that they wake up at 12 noon. When the Sun rises very high, when it becomes very hot, then they take the sword in their hands. Then India gains victory.

एक सिक्ख धर्म ही है जिसने भारत में मुसलमानों से और क्रिश्चियन्स से सबसे जास्ती टक्कर ली। हिन्दुस्तान के राजायें तो पतित हो गए। अपवित्रता के कारण आपस में ही झगड़ मरे। उनकी ताकत ही खत्म जैसे हो गई। तब सिक्ख धर्म की आत्माओं ने और वो भी मुट्ठी भर आत्माओं ने, पंजाब साईड की आत्माओं ने, पंजाब के खून ने भारत को विजय दिलाई। इतने बलिदान हिन्दुओं ने नहीं दिए हैं, राजपूतों ने नहीं दिए हैं, गोरखा बटालियन ने भी नहीं दिये हैं जितने सिक्खों ने दिये हैं। हिस्ट्री भरी पड़ी है। ये किसका कमाल था? सिक्खों की तलवार का कमाल था। वो है स्थूल तलवार और यहाँ कमाल दिखाएगी अभी ज्ञान तलवार। जब गुरुनानक की वाणी को वो ईश्वरीय वाणी में ढ़ाल लेंगे फिर वो और किसी की नहीं सुनेंगे। जैसे अभी गुरुद्वारे में वाणी चलती है तो वो अपनी वाणी के आगे और किसी की सुनते नहीं हैं। तो समझ का फेर है।

It is Sikhism alone which has confronted the Muslims and Christians the most in India. The kings of India became sinful. Because of impurity, they fought and killed each other. Their power was almost lost. Then the souls of Sikhism…, and they too were only a handful of souls, the souls from Punjab side, the blood of Punjab gave victory to India. Neither Hindus nor Rajputs gave so many sacrifices. The Gorkha battalion did not give [so many] sacrifices either, as many as the Sikhs gave. The history is full [of their sacrifices]. Whose wonder was it? Hm? It

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

was the wonder of the sword of Sikhs. That is a physical sword. And here it is the sword of knowledge which will show its wonder when they will tally the versions of Guru Nanak according to the versions of God. Then they will not listen to anyone. Just when the *Vani* (words of Guru Nanak) is recited in the Gurudwaras; they do not listen to anyone else except their *Vani*. So, it is just a matter of realization.

समयः 06.40-07.10

जिज्ञासुः वशीकरण मंत्र क्या है?

बाबाः निरंतर बाप की याद रहे ये ही वशीकरण मंत्र है। कोई के भी दिल को वशीभूत कर लेगा। वो पवित्र दृष्टि में वो अविनाशी याद बसी हुई होनी चाहिए।

Time: 06.40- 08.55
Student: What is *Vashikaran Mantra*?
Baba: You should be in continuous remembrance of the Father. This is the *vashikaran mantra*. You will control anybody's heart. That imperishable remembrance should be incorporated in that pure vision.

समयः 07.25-08.55

जिज्ञासुः घर का कोई सदस्य अगर शरीर छोड़ देते हैं तो उनकी याद जल्दी जाती नहीं।

बाबाः लगाव जितना लगा हुआ होगा उतनी जल्दी याद कैसी जाएगी?

जिज्ञासुः ना चाहते हुए भी...

बाबाः याद आती है। दिल बार-बार जहाँ जाता है तो लगाव साबित होता है ना। लगाव की निशानी है बुद्धि का झुकाव। उतना ही झुकाव महसूस होगा जितना लगाव लगाया होगा।

जिज्ञासुः ... बाप को याद करें।

बाबाः हाँ तो ६३ जन्मों का हिसाब किताब सामने आएगा या नहीं? कोई का कर्जा लिया है तो कर्ज लेने वाला लेने के लिए नहीं आवेगा क्या? भाग जाएगा? इसलिए बाप कहते हैं अब कोई से कर्ज नहीं लेना। नहीं तो कर्ज मर्ज बनता जावेगा। जो भी लेना है, किससे लेना है? एक बाप दूसरा न कोई।

दूसरा जिज्ञासुः बैंक से ले सकता है ना?

बाबाः ईश्वरीय बैंक नहीं है क्या?

Time: 07.25- 08.55
Student: If a member of our family leaves his body, we are unable to forget him easily.
Baba: If there is more attachment, how can you forget very soon?
Student: : In spite of not wanting to…
Baba: You remember him. Wherever the heart goes again and again, it proves there is attachment, doesn't it? The indication of attachment is the inclination of the intellect. You will be inclined only to the extent you have had attachment.
Student: …we should remember the Father.
Baba: Will the karmic account of 63 births come in front of you or not? If you have taken loan from someone, then will the one who has lent you the loan not come to take it back? Will he run

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

away? This is why the Father says: Do not take loan from anyone now. Otherwise the debt (*karj*) will go on becoming a disease (*marj*). Whatever you want to take, from whom should you take it? One Father and none else.
Second student: We can take it from a bank, can't we?
Baba: Isn't there the Godly bank?

समयः 09.56-11.20

जिज्ञासुः बाबा, ये सन्यासी लोग और ऋषि मुनि जो हैं, तपस्वी, ये कभी-कभी किसी १६-१७ साल का बच्चा जब शरीर छोड़ने की उम्र उसकी होती है, उसका जीवन समाप्त होता है तो कभी-कभी उसमें प्रवेश करके अपना जीवन शुरु करते हैं, नया जन्म गर्भजेल में नहीं जाने के लिए। क्या ये सच है?

बाबाः अपने पूर्व जन्मों का हिसाब किताब कुछ भी नहीं है? वो क्या अपनी जेब में से निकाल के दे देते हैं क्या? (किसीने कुछ कहा।) वो ही तो। कोई अपनी जेब में से निकाल के नहीं दे देता । भगवान ही आकर के जब इस सृष्टि पर अपनी जेब में से निकाल के किसी को देता नहीं है; न किसी से लेता है, न कुछ देता है। तो ये मनुष्यात्माएं कहाँ से दे देंगी?

जिज्ञासुः वो शरीर में प्रवेश करके अपना पार्ट शुरु करती हैं उसी के शरीर के द्वारा।

बाबाः हाँ, तो?

जिज्ञासुः तो ये हो सकता है ?

बाबाः शंकराचार्य का हुआ कि उन्होंने कोई राज में प्रवेश करके थोड़ा समय पार्ट बजाए लिया। लेकिन उससे फायदा क्या? पहचान तो लिया जाता है।

Time: 10.00-11.20
Student: Baba, sometimes these *sanyasis* and the *rishis* and sages, the *tapaswis* enter into the body of 16-17 year old child, when he is about to die, when his life is going to end and start a new life in order to avoid the jail-like womb. Is it true?
Baba: Isn't there any karmic account of the past life? So, do they give it from their pockets? (Someone said something.) That is true. Nobody gives from his pocket. When God Himself does not give anything from His pocket when He comes; He neither takes anything from anyone nor does He give anything. So, how can the human souls give?
Student: They enter into the body and start their part through the same body.
Baba: Yes, so?
Student: So, can this be possible?
Baba: It happened in the case of Shankaracharya that he entered into the body of a king and played a part for some time. But what is its use? They are certainly recognized.

समयः 13.13-15.40

जिज्ञासुः बाबा, भक्ति में एक चित्र बताया है। विष्णु है ना हाथी कमल का फूल देने को जाते हैं तो हाथी का पैर मगरमच्छ पकड़ लेता है। मगरमच्छ कौन?

बाबाः मगरमच्छ है माया। माया रूपी ग्राह और गज रूपी हाथी, हाथी रूपी महारथी। महारथी पुरुषार्थ करता है बाप की याद में रहने का लेकिन उसका बुद्धि रूपी पांव कौन पकड़ लेता है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

माया पकड़ लेती है। वो माया ज्ञान जल में रहती है। पलती भी ज्ञान जल में है और बच्चों का बुद्धि रूपी पांव पकड़ लेती है। आगे नहीं बढ़ने देती।

जिज्ञासुः चित्रों में ऐसा बताया।

बाबाः तो है कहाँ की यादगार? यहाँ की तो यादगार है। नंबरवार गज हैं, नंबरवार मायाएं हैं, माया के रूप हैं। ये माया का ग्रहण कैसे छूटे?

जिज्ञासुः याद।

बाबाः हाँ। जितना-जितना हम एकाग्र होकर के बाप को याद करेंगे तो माया रूपी ग्राह के पंजे से छूट जावेंगे।

Time: 13.13-15.40
Student: Baba, a picture has been shown in *bhakti*. When an elephant goes to present Vishnu a lotus flower a crocodile catches the legs of the elephant. Who is that crocodile?
Baba: Hm. Maya is the crocodile. Crocodile like maya. And elephant like *maharathi* (the one who makes great spiritual effort). *Maharathi* makes the spiritual effort to remain in the Father's remembrance, but who catches his leg like intellect? Maya catches it. She remains in the water of knowledge. She also receives sustenance in the water of knowledge. She catches the leg like intellect of the children. She does not allow them to move ahead.
Student: It has been shown like this in the picture.
Baba: So it is a memorial of when? It is a memorial of this time. There are number wise elephants and number wise form of Maya. …How can we become free from the eclipse of Maya?
Student: Remembrance.
Baba: Yes. The more we remain focused and remember the Father, the more we will be free from the clutches of the crocodile like Maya.

जिज्ञासुः जिस दिन अमृतवेले करो उस दिन अवस्था अच्छी रहती है।

बाबाः हाँ। तो करते काहे नहीं? अभी माया रूपी ग्राह और पावरफुल बन गया या कमजोर हो गया है? पावरफुल बन गया? बाबा ने तो कहा – माया थक चुकी है। अच्छा अमृतवेले नहीं कर रहे इसलिए।

जिज्ञासुः करते हैं तो अच्छा रहता है।

बाबाः अच्छा-अच्छा।

Student: The day we do (i.e. wake up at) *amritvela*, the stage remains good on that day.
Baba: Yes. So, why don't you do (i.e. wake up at *amritvela*) it then? Has the crocodile like Maya become more powerful or has it become weaker? Has it become more powerful? Baba has said: Maya is tired. OK, it is because you are not doing *amritvela*.
Student: When we do (*amritvela*) the stage remains good.
Baba: Ok, ok.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 20.25-26.50

जिज्ञासुः बाबा, प्रजापिता को सीढ़ी में दिखाया और ब्रह्मा को सीढ़ी से अलग दिखाया सीढ़ी के चित्र में। और झाड़ के चित्र में ब्रह्मा बाबा को नीचे की जड़ों में भी दिखाया और ऊपर झाड़ में भी दिखाया है।

बाबाः वो ब्रह्मा बाबा नहीं हैं। उसको ऐसे समझिये कि वो प्रजापिता है। मम्मा को, मम्मा के चित्र को अम्मा के रूप में समझिए। वो सृष्टि वृक्ष की माँ है और वो सृष्टि वृक्ष का बाप है। परन्तु जिस समय यह चित्र बनाया गया या साक्षात्कार में दिखाया गया उस समय वो पात्र गुप्त थे। इसलिए किसको बैठाएं? तो मम्मा-बाबा को बैठा दिया।

जिज्ञासुः त्रिमूर्ति चित्र में बोला है कि शंकर के जगह पे अगर जगदम्बा को बिठाया होता तो समझाने में आसानी होती।

बाबाः सारा काम संपन्न शंकर करता है विनाश का या महाकाली सारा कार्य संपन्न करती है?

Time: 20.25-26.50

Student: Baba, Prajapita has been shown inside the Ladder and Brahma has been shown outside the ladder, in the picture of the Ladder. And in the picture of the [Kalpa] Tree Brahma Baba has been shown below on the roots as well as above, in the tree.

Baba: That is not Brahma Baba. Consider him as Prajapita. Consider Mamma, Mamma's picture the Mother. She is the mother of the world tree and he is the father of the world tree. But at the time when this picture was prepared or when it was shown in the visions, those parts were hidden. This is why who should be shown to sit? So, Mamma and Baba have been shown to sit.

Student: It has been said in the picture of the Trimurty that had you made Jagdamba sit in the place of Shankar, it would have been easy to explain.

Baba: Does Shankar accomplish the entire task of destruction or does Mahakali accomplish the entire task?

जिज्ञासुः तो उसी तरह यहाँ शंकर की जगह पर मम्मा को बैठा हुआ दिखाया।

बाबाः कहाँ?

जिज्ञासुः झाड़ के नीचे।

बाबाः झाड़ के चित्र में ये सृष्टि वृक्ष के मात-पिता है। बीजारोपण यहाँ से होता है। एक भक्ति है तो एक ज्ञान है। ज्ञान भक्ति का प्रवृत्ति है। कन्याएं-माताएं हैं सब भक्तियाँ। तुम बच्चे हो ज्ञान-ज्ञानेश्वरी। तो ज्ञानेश्वरी कौन हुई? छोटी मम्मी या बड़ी मम्मा? अरे, ब्रह्मा बाबा के जमाने में छोटी माँ कौन थी? ओम राधे। तो वो ही ओम राधे जिस बच्ची में प्रवेश करती है एडवांस में वो छोटी माँ हो गई, ज्ञान-ज्ञानेश्वरी है, प्रैक्टिकल में ज्ञान को संपन्न करती है। ज्ञान सुने-सुनाए, समझे-समझाए, लेकिन खुद जीवन में धारण न करे और दूसरों को धारण न कराए सके, तो ज्ञान अधूरा कहा जाता है।

Student: Similarly, here, Mamma has been shown to be sitting in the place of Shankar.

Baba: Where?

Student: Below the [Kalpa] Tree.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: In the picture of the [Kalpa] Tree, these are the mother and the father of the world tree. The sowing of the seed takes place here. One is *bhakti* while the other is knowledge. It is a household of knowledge and *bhakti.* All the virgins and mothers are *bhaktis.* You children are *gyaan-gyaaneshwari* (Goddess of knowledge). So, who is *gyaaneshwari*? Is it the junior mother or the senior mother? *Arey*, during the time of Brahma Baba, who was the junior mother? Om Radhe. So, the daughter in whom the same Om Radhe enters in the advance (party) is the junior mother. She is *gyaan-gyaaneshwari*. She accomplishes the knowledge in practical. If someone listens and narrates, understands and explains knowledge [to others], but does not assimilate it in his life and is unable to make others assimilate it, then the knowledge is called incomplete.

जिज्ञासुः एक मुरली में बोला है कि ब्रह्मा सो विष्णु। विष्णु अर्थात् वैष्णवी।
बाबाः हाँ। विष्णु। ब्रह्मा एक थोड़े ही है। ब्रह्मा कितने हैं? और विष्णु की भुजा कोई एक थोड़े ही है? विष्णु के रूप में सहयोगी बनने वाली आत्माएं कितनी हैं? जितनी आत्माएं सहयोगी बनने वाली हैं वो सब ब्रह्मा का ही रूप थी पहले या पहले से ही विष्णु थीं? पहले क्या थीं? ब्रह्मा का रूप थी। जो स्थापना करता है वो विनाश भी करता है वो पालना भी करता है। हाँ, ये हैं कि कोई कम स्थापना करता है, कोई ज्यादा स्थापना करता है। कोई कम पालना करता है, कोई ज्यादा पालना करता है। कोई के विनाश के संस्कार ज्यादा हैं। तो ब्रह्मा को ५ मुख भी दिखाए जाते हैं, ४ मुख भी दिखाए जाते हैं। वो संपन्नता की स्टेज में विष्णु रूप में दिखाया है। ४ भुजाएं हो गईं और एक मुख हो गया उन भुजाओं को चलाने वाला।

Student: It has been said in a murli that Brahma becomes Vishnu. Vishnu means Vaishnavi.
Baba: Yes. Vishnu. Brahma is not one. How many Brahmas are there? And there isn't only one arm of Vishnu. How many souls become helpers in the form of Vishnu? Were all the souls which become helpers, the forms of Brahma himself initially or were they already Vishnu? What were they initially? They were the forms of Brahma. The one who brings about the establishment causes destruction as well as does the work of sustenance too. Yes, it is true that someone brings about more establishment and someone less, someone sustains less and someone sustains more. Some have more sanskars of destruction. So, five heads of Brahma are shown, four heads are also shown. In the stage of perfection they have been shown as Vishnu. There are four arms and one head to controls those arms.

दूसरा जिज्ञासुः वो सारे ब्रह्मा एक ही साथ विष्णु बनते हैं बाबा?
बाबाः एक साथ ब्रह्मा बनते हैं? कि ब्रह्मा भी नंबरवार हैं? एक ब्रह्मा की आयु सन् ७६ में १०० साल पूरी होती है। और दूसरे ब्रह्मा की आयु? ८७-८८ में जाके पूरी होती है। तो एक साथ ब्रह्मा कहाँ हुए? नंबरवार ब्रह्मा हैं तो नंबरवार विष्णु की भुजाएं हैं? कोई ऊपर की भुजा है, कोई नीचे की भुजा है, कोई दाईं ओर की भुजा, कोई बाईं ओर की भुजा है। एक जैसी भुजाएं तो नहीं हो सकती। कोई उन भुजाओं को चलाने वाला है।
जिज्ञासुः ओम राधे मम्मा को ब्रह्मा कैसे कहेंगे? वो तो पवित्र कन्या है।
बाबाः ओम राधे मम्मा पवित्र कन्या थी और वो तो पवित्र कन्या में ही प्रवेश करती है। छोटी मम्मी में। ब्रह्मा क्यों कहते हैं? वो तो विष्णु का पार्ट हो गया। विष्णु माना न्यूट्रल। सबसे

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ज्यादा न्यूट्रल संस्कार किसके थे? जो विष्णु के रूप में प्रत्यक्ष होता है। यज्ञ के आदि में विष्णु रूप था। सतयुग के आदि में भी विष्णु रूप था। जो आदि में विष्णु होगा वो अंतिम जन्म में विष्णु रूप होगा या नहीं होगा? आदि में विष्णु तो अंत में भी विष्णु।

Another student: Baba, do all the Brahmas become Vishnu at the same time?
Baba: Do they become Brahma at the same time? Or are Brahmas also number wise? One Brahma completes his age of 100 years in the year 76. And what about the age of the second Brahma? It is completed in the year 87-88. So, they are not Brahmas at the same time. When there are number wise Brahmas, there are the arms of Vishnu number wise. Someone is the upper arm, someone is the lower arm, someone is the right arm and someone is the left arm. The arms cannot be alike. There is someone who controls those arms.
Student: How will Om Radhe Mamma be called Brahma? She is a pure virgin.
Baba: Om Radhe Mamma was a pure virgin and she enters only a pure virgin. In the junior mother. Why do you call her Brahma? That is the part of Vishnu. Vishnu means *neutral*. Who had the most *neutral sanskars*? The one who is revealed in the form of Vishnu. It was a form of Vishnu in the beginning of the *yagya*. Even in the beginning of the Golden Age it was a form of Vishnu. Will the one who is Vishnu in the beginning be Vishnu in the last birth or not? The one who is Vishnu in the beginning will be Vishnu in the end as well.

दूसरा जिज्ञासुः पवित्र कन्या को पतित कैसे कहेंगे बाबा?
बाबाः अरे, विष्णु को अपवित्र कहेंगे?
जिज्ञासुः विष्णु को तो अपवित्र नहीं कहेंगे।
बाबाः फिर?
जिज्ञासुः मैं जिसमें प्रवेश करता हूँ....
बाबाः तो प्रवेश... एक होता है कार्य करने के लिए प्रैक्टिकल कार्य करने के लिए। एक होता है सुनने सुनाने के लिए। एक होता है समझने-समझाने के लिए। तो ओम राधे मम्मा में कहो या छोटी मां में कहो किसलिए प्रवेश हुआ? कार्य को प्रैक्टिकल संपन्न करने के लिए प्रवेश हुआ या सुनने-सुनाने के लिए प्रवेश हुआ? संपन्न करना। तो किया।

Another Student: How will a pure virgin be called sinful Baba?
Baba: *Arey,* will Vishnu be called impure?
Student: Vishnu will not be called impure.
Baba: Then?
Student: The one in whom I enter…
Baba: So, as regards entering... One [kind of entering] is to perform the task, to perform the task in practical, one [kind of entering] is to listen and narrate, one [kind of entering] is to understand and explain [to others]. So, why did He enter in Om Radhe Mamma or the junior mother? Was it in order to accomplish the task in practical or to listen and narrate? To accomplish [the task]. So, He accomplished it.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 26.55-29.00

जिज्ञासुः बाबा, सीढ़ी का चित्र जो है भारतवासियों की ८४ जन्मों की कहानी बताता है। उसमें आदि में तो संपन्न रूप है। मध्य में, द्वापर में शिव की जबसे पूजा शुरू हुई उस रूप को क्या कहेंगे?

बाबाः मीडियम। न ज्यादा पतित है, ना ज्यादा पावन है क्योंकि शास्त्र कब लिखे जाते हैं? द्वापर के आदि में शास्त्र लिखे। लेकिन जो पूजा भी होती है वो सतोप्रधान पूजा होता है या तमोप्रधान पूजा होती है? एक की पूजा होती है, अव्यभिचारी पूजा होती है या व्यभिचारी पूजा होती है? वो भूत-पूजा कहेंगे कलियुग से।

Time: 26.55-29.00
Student: Baba, the picture of the Ladder tells the story of the 84 births of the *Bharatwasis* (residents of India). In the beginning the perfect form [is shown] in it. In the middle, in the Copper Age, ever since the worship of Shiva began, what will that form be called?
Baba: *Medium*. It is neither more sinful nor purer because from when are scriptures written? Scriptures were written in the beginning of the Copper Age. But is the worship *satopradhan* or *tamopradhan*? Does the worship of one take place, is the worship unadulterated or adulterated? That worship of ghosts (*bhuut puja*) will be said [to have begun] from the Iron Age.

और लिंग की पूजा भूत पूजा नहीं है। पंचभूतों से बना हुआ लिंग नहीं है।

जिज्ञासुः द्वापरयुग से बाबा सिंगल देवता की पूजा शुरु हो जाती है।

बाबाः सिंगल देवता की पूजा नहीं शुरु होती है। सबसे पहले पूजा शुरु होती है शिव की।

जिज्ञासुः मंदिर में एक देवता की पूजा शुरु होती है एक पुजारी के द्वारा।

बाबाः हाँ, हाँ। जब एक की पूजा शुरु होती है युगल को छोड़ दिया जाता है तो व्यभिचारी बनेगा या अव्यभिचारी बनेगा?

जिज्ञासुः अव्यभिचारी वृत्ति भी वहीं से शुरु होती है ना बाबा।

बाबा: अव्यभिचारी वृत्ति शुरु होती है द्वापर के आदि से। द्वापर का अंत होते-होते व्यभिचारी बन जाते हैं। प्रवृत्ति टूट जाती है। इसलिये सिंगल हनूमान को और सिंगल गणेश को दिखाया गया है। देवियों को सिंगल दिखाया गया। देवियों के पीछे कौनसा देवता हर समय मौजूद रहता है वो बात भूल गई।

And the worship of *ling* is not the worship of ghosts. The *ling* is not made up of the five elements (*panch bhuut*).
Student: Baba, the worship of single deities begins from the Copper Age.
Baba: The worship of single deities does not begin (from Copper Age). First of all the worship of Shiva begins.
Student: The worship of one deity in a temple by one priest begins.
Baba: Yes, yes. When the worship of one begins, when the *yugal* (partner) is left out, will he (the worshipper) become adulterated or unadulterated?
Student: The unadulterated vibration also begins from there itself Baba, doesn't it?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: The unadulterated vibrations begin from beginning of the Copper Age. By the end of the Copper Age, they become adulterated. The household breaks. This is why single [idol of] Hanuman and single [idol of] Ganesh has been shown. The *devis* (female deities) are shown to be single. They forgot the topic that which male deity always remains behind the female deities.

समयः 29.05-30.10

जिज्ञासुः बाबा छोटे बच्चे को महात्मा किस हिसाब से कहा जाता है? वो भी तो जन्म मरण में आता है। पुराने, पहले जन्म का भी संस्कार लेके आती है आत्मा। तो उसको कैसे महात्मा कहा जाएगा?

बाबाः क्योंकि विकारों का वासना उसके अंदर नहीं रहती है मन में।

जिज्ञासुः पिछले जन्म के तो कुछ संस्कार उसमें....

बाबाः सारे संस्कार हैं लेकिन विकार नहीं है। खास करके काम विकार नहीं है। विकारों में काम विकार है मुख्य। वो विकार बच्चे में नहीं है। इसलिए बच्चे को महात्मा कहा जाता है। ये साधु संत महात्मा फिर भी इनके अंदर कुछ न कुछ विकारी भावनाएं आती हैं। भल घरबार छोड़ दिया हो। बचपन से ही क्यों न छोड़ दिया हो। तो भी जब नौजवान होते हैं तो पूर्व जन्म के संस्कार उनके अंदर, मन में काम करते हैं। लेकिन बच्चे के अंदर वो विकारी वासना काम ही नहीं करती। इसलिए बच्चा महात्मा है।

Time: 29.05-30.10
Student: Baba, on what basis is a small child called *mahatma* (a great soul)? He too comes in the cycle of birth and death. He brings with him the *sanskars* of the old, past birth as well. So, how will he be called a *mahatma*?
Baba: It is because he does not have vicious feelings of vices in the mind.
Student: [There are] certainly some *sanskars* of the past birth in him.
Baba: He has all the *sanskars*, but he doesn't have vice, especially there is no vice of lust in him. The vice of lust is the main [vice] among all the vices. That vice is not present in a child. This is why a child is called a *mahatma*. The vicious feelings are certainly present to some extent in these sages and saints [also]. Although, they must have left the household, they must have left it in their childhood itself, yet, when their youth begins, the *sanskars* of the past births start working in them, in their mind. But that vicious feeling does not work in a child at all. This is why a child is a *mahatma*.

समयः 30.13-33.16

जिज्ञासुः बाबा, वो १२ ज्योतिर्लिंग का क्या रहस्य है?

बाबाः १२ जो आत्माएं हैं सूर्यवंश की; हर धर्म में जो १२-१२ का ग्रुप है उनमें जो सूर्यवंश की १२ आत्मायें है उनमें जो पहला है, जिसका नाम शिव के साथ जोड़ा जाता है, जिसे अष्ट देवों में से पहला नंबर दिया गया, जो ईषान कोण में दिखाया जाता है, ईश्वर जिसे कहा जाता है, वो अन्य ११ में प्रवेश करता है। शिव प्रवेश नहीं करता। कौन प्रवेश करता है? शंकर जो है, जिसका नाम शिव के साथ जोड़ा जाता है वो ११ में प्रवेश करता है। इसलिए ११ रुद्रगण माने जाते हैं मुख्य।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

टोटल मिला करके १२ शिवलिंग ज्योतिर्लिंगम कहे जाते हैं, ज्ञान के लिंग, ज्ञान की ज्याति है। वो एक उन ग्यारहों में प्रवेश करता है।

जिज्ञासुः तो वो पक्के सूर्यवंशी हैं सब?

बाबाः जी, हाँ।

Time: 30.13-33.16

Student: Baba, what is the secret behind the 12 *jyotirlings*?

Baba: The twelve souls of the Sun dynasty; the one who is the first one among the 12 souls of the Sun dynasty in the groups of 12 each in every religion; the one whose name is suffixed to that of Shiva, the one who has been assigned the first number among the eight deities, the one who is shown in the *Eeshaan* (North-east) direction, the one who is called Ishwar enters into the other eleven. Shiva does not enter them. Who enters them? Shankar, whose name is suffixed to that of Shiva, enters the [remaining] eleven. This is why 11 *Rudragans*[1] are considered to be main. Totally, there are said to be 12 *shivlings*, *jyotirlings, lings* of knowledge, they are the light of knowledge. That one enters those eleven.

Student: So, are all of them firm *Suryavanshis*[2]?

Baba: Yes.

जिज्ञासुः अन्य धर्मों का संस्कार नहीं है उनमें?

बाबाः हैं क्यों नहीं? सब कुछ है। उन १२ में तो दुनिया सारी समाई। सारी दुनिया कितनी राशियों में बांटी जाती है? १२ राशियों में बांटी जाती है। उन १२ में अच्छे से अच्छे भी हैं और बुरे से बुरे भी हैं। ऐसे अच्छे से अच्छे भी हैं जो पालना ही पालना करने के संस्कार हैं। अच्छों की ही पालना करेंगे विष्णु के रूप में, बुरों की पालना नहीं करेंगे। ऐसे भी हैं जो अच्छों की भी पालना करते हैं और बुरों की भी पालना करते हैं। माने स्थापनाकारी भी हैं, विनाशकारी भी हैं और पालनाकारी भी हैं। चार स्थापना करने वाले हैं, चार पालना करने वाले के संस्कार हैं चार में और चार में? विनाश के संस्कार हैं। संगमयुगी शूटिंग में भी एडवांस पार्टी में हैं तो रुद्रमाला की आत्माएं लेकिन विनाश के संस्कार आदि से लेकर के अंत तक मौजूद रहते हैं। वो भी कल्याणकारी है या अकल्याणकारी? वो भी कल्याणकारी।

Student: Don't they have the *sanskars* of other religions?

Baba: Why not? They have everything. The entire world is contained in those 12. Into how many zodiac signs is the entire world divided? The entire world is divided into 12 zodiac signs. Among those 12, there are the best ones as well as the worst ones. There are such best ones who have only the *sanskars* of sustenance. They will sustain only the good ones in the form of Vishnu, they will not sustain the bad ones. There are such ones also who sustain the good ones as well as the bad ones. It means that there are the ones who establish, the ones who sustain and also the ones who destroy. Four [souls] bring about the establishment, four [souls] have the *sanskars* of sustenance and what about the [remaining] four? They have the *sanskars* of destruction. Even in the Confluence Age shooting they are the souls of the *Rudramala*[3] in the

[1] The followers of Rudra
[2] Those who belong to the Sun dynasty
[3] Rosary of Rudra

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

advance party but they have the *sanskars* of destruction from the beginning till the end. Is it also beneficial or harmful? It is also beneficial.

समयः 33.17-33.50

जिज्ञासुः त्रयंबकेश्वर किसकी यादगार है?

बाबाः तीन अंबा का ईश्वर। महाभारत में उनको नाम दे दिया है अंबे, अम्बालिके, अंबिका। तीन देवियाँ हैं – उनका ईश्वर। त्रि अंब का ईश्वर।

Time: 33.17-33.50
Student: Whose memorial is of Trayambakeshwar?
Baba: *Ishwar* (Lord) of three *Ambas* (mothers). In the Mahabharata they have been named as, Ambey, Ambalike, Ambika. There are three *devis;* their *Ishwar. Ishwar* of (*ka*) the three (*tri*) mothers (*amb*).

समयः 36.00-39.10

जिज्ञासुः बाबा, सीढ़ी के चित्र में दिखाया है कि सारी आत्मायें ऊपर परमधाम में इकट्ठे जाती हैं। वो सब इकट्ठे ही जाती हैं या इकट्ठे लेकिन नम्बरवार जाती हैं?

बाबाः झाड़ के चित्र में दिखाया है सब आत्मायें जा रही हैं। लेकिन साथ में शंकर को भी दिखाया गया है। शंकर अकेला जाता है या शिव के साथ जाता है? आगे-आगे कौन जावेगा? जो माला के नंबर हैं उसी नंबर के अनुसार जावेंगी। उसी नंबर के अनुसार नीचे इस सृष्टि पर उतरती हैं।

जिज्ञासुः जो पहले जाएगा....

बाबाः जो पहले जाएगा पहला नंबर।

जिज्ञासुः पहले शिव जायेगा ना?

बाबाः पहले आता नहीं है सृष्टि के आदि में? एक सेकण्ड में जाना, एक सेकण्ड में वापस आना।

जिज्ञासु: वहाँ टिकना नहीं होगा ना?

बाबाः क्यों? आलराउण्ड पार्टधारी हैं या हाफराउण्ड पार्टधारी हैं?

जिज्ञासुः वो हमारा घर है।

Time: 36.00-39.10
Student: Baba, it has been shown in the picture of the Ladder that all the souls go to the supreme abode together. So, do all of them go together or do they go together but number wise (according to their rank)?
Baba: It has been shown in the picture of the (Kalpa) Tree that all the souls are going. But along with them Shankar has also been shown. Does Shankar go alone or does he go with Shiva? Who will lead them? They will go as per their serial number in the rosary. They descend in this world according to the same number.
Student: The one who will go first…
Baba: The one, who goes first, is the No.1 [soul].
Student: Shiva will go first, will He not?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Does he not come first in the beginning of the world? Going in one second and coming back in the other second.
Student: He does not stay there, does he?
Baba: Why? Is he an all-round actor or a *half round* actor?
Student: It is our home.

बाबाः हाँ, हाँ, घर है हमारा। हमेशा उस घर की याद सबसे जास्ती किसको रहती है? जो घर का रहने वाला होगा उसको घर की याद ज्यादा रहेगी कि दूसरों को याद रहेगी? शंकर, जो हीरो पार्टधारी है वो घर की याद सबसे जास्ती करता है या कम याद करता है? (किसीने कहा - जास्ती याद करता है।) तो कहाँ का रहने वाला है? औरों को याद बड़ी मुश्किल से आती है और वो फट से जाकरके बैठ जाता है।

जिज्ञासु: लेकिन घर पर रहना तो होता नहीं उनका।

बाबाः मन-बुद्धि को ही तो आत्मा कहा जाता है। मन-बुद्धि को ऊपर उडाय दिया तो रहना हुआ ना या देह को ले जाना है क्या?

जिज्ञासुः वो बात नहीं है लेकिन गया और आया।

बाबाः हाँ गया और आया। (जिज्ञासु: रहा कहा?) गया और आया, एक सेकण्ड रहा। वो हर समय जैसे कि वहीं है। वो हर समय जैसे कि यहीं है। इसलिए कहते हैं सर्वव्यापी। अभी-अभी यहाँ है, अभी-अभी वहाँ है।

Baba: Yes, yes, it is our home. Who remembers that home the most always? Will the one who lives in the home remember it more or will others remember it more? Does the hero actor Shankar remember the home the most or less? (Someone said: he remembers more.) So, he is a resident of which place? Others remember with great difficulty and he goes and sits there immediately.
Student: But he doesn't stay at home.
Baba: It is the mind and intellect itself which is called the soul. If you make your mind and intellect fly, then is it like living, isn't it? Do you have to take your body there?
Student: It is not like that but he went and came.
Baba: Yes, he goes and comes. (Student: but he did not stay there.) He went and came; he stayed there for a second. It is as if he is always there. It is as if he is always here. This is why it is said that he is omnipresent. Just now he is here and just now he is there.

जिज्ञासुः लेकिन किसी ने देखा नहीं कहाँ है।

बाबाः हाँ, देखा नहीं कहाँ है। इसलिए तो बताया मैं कब आता हूँ, कब चला जाता हूँ किसी को पता ही नहीं चलता।

जिज्ञासुः और वो बात साकार के लिए भी लागू होती है।

बाबाः ब्रह्मा के लिए पता चलता है। ब्रह्मा साकार है।

जिज्ञासुः वो साकार, जिस तन में शिव प्रवेश करते हैं वो बात उसके लिए भी लागू होती है कब आता हूँ, कब चला जाता हूँ....?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वो साकार ही तो निराकारी स्टेज को धारण करता है इसलिए तो शिव के साथ उसका नाम जोड़ दिया जाता है। और किसी का नम नहीं जोड़ा जाता।
जिज्ञासुः जोड़ा अंत में जाता है कि मध्य में कि आदि में?

Student: But nobody saw where he is.
Baba: Yes, they did not see where he is. This is why it was said, nobody knows when I come and when I go.
Student: And that is applicable to the corporeal one as well.
Baba: One can know this in the case of Brahma. Brahma is corporeal.
Student: Does the subject of '[nobody knows] when I come, when I go' apply to the corporeal body in which Shiva enters?
Baba: It is that corporeal one himself who takes on the incorporeal stage; this is why his name is suffixed to Shiva's name. The name of nobody else is suffixed with His name.
Student: Is the name suffixed at the end, in the middle or at the beginning [of the *yagya*]?

बाबाः अंत में ही संपन्न स्टेज बनती है।
जिज्ञासुः जब प्रजापिता की .... स्टेज होती है।
बाबाः प्रजापिता माना पतित।
जिज्ञासुः उस टाइम में तो जोड़ने का मतलब नहीं है।
बाबाः तो शिव-शंकर के साथ जोड़ा हुआ तब थोड़े ही कहा जाएगा।
जिज्ञासुः और मध्य में?
बाबाः मध्य में भी पुरुषार्थी है।
जिज्ञासुः तब भी जोड़ने का बात नहीं है।
बाबा: नहीं।
जिज्ञासुः अंत की ही बात है।
बाबाः अंत में ही है। जिसने अंत किया उसने सब कुछ किया।

Baba: The perfect stage is achieved only in the end.
Student: When Prajapita achieves … stage.
Baba: Prajapita means sinful.
Student: There is no question of suffixing his name at that time.
Baba: So, it will not be said at that time that Shiva and Shankar are a combined.
Student: And what about the middle period?
Baba: He is *purusharthi* (the one who makes spiritual effort) even in the middle.
Student: There is no question of suffixing (his name to Shiva) at that time either.
Baba: No.
Student: It is only about the end.
Baba: It is only in the end. The one who completes the task does everything.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 39.13-43.15

जिज्ञासुः बाबा, संगम में जो बच्चे बाप से प्राप्ति करते हैं वो जन्म-जन्मान्तर कितनी राजाई मिलती है? ५०, ५ ऐसे?

बाबाः जैसी प्राप्ति करते हैं उसके ऊपर है। प्राप्ति अगर कम करते हैं तो जन्म-जन्मान्तर के राजाएं भी कम बनेंगे। कम से कम कितनी प्राप्ति है? राजयोगियों की कम से कम प्राप्ति कितनी है? और ज्यादा से ज्यादा प्राप्ति कितनी है?

जिज्ञासुः कम से कम एक जन्म की और ज्यादा से ज्यादा 84 जन्मों की।

बाबाः कम से कम प्राप्ति है १६००० की लिस्ट में १६००० वां नंबर आना। त्रेता के अंत में जाकरके एक जन्म के लिए टूटते हुए स्वर्ग की प्रिंस या प्रिंसेज आत्मा बनकर रह जाएगी। बस। नाम मात्र के लिए राजाई में आ जाएगी। बाकी कोई प्राप्ति नहीं। आर्यसमाजियों का ग्रुप हो गया। जैसे आर्यसमाजी आज गद्दी पर बैठे हुए हैं लेकिन जिंदगी भर के लिए गद्दी पे बैठते हैं या २-५ साल के लिए? नाम मात्र। उनका शासन भी ना के बराबर। कोई बात मानता भी नहीं। इन्दिरा गांधी भले प्रधानमंत्री बन के बैठती है परन्तु उसकी नाक में भी पत्थर मार देते हैं। तो कम से कम राजाई भी है और बड़े ते बड़ी राजाई ८ में आना। ८ में भी नंबरवार हैं।

Time: 39.13-43.15

Student: Baba, for how many births do the children get kingship in return for the attainments that they get from the Father now in the Confluence Age? Like, 50 (births), 5 (births)?

Baba: It depends on their attainments. If their attainment is less, they will become kings for lesser number of births. What is the minimum attainment? What is the minimum attainment of the *rajyogis*? And what is the maximum attainment?

Student: The minimum [attainment] is for one birth and the maximum [attainment] is for 84 births.

Baba: The minimum attainment is to achieve the 16000th number in the list of 16000. That soul will become a prince or princess in the disintegrating heaven for one birth in the end of the Silver Age. That is all. It will enjoy kingship for namesake. They have no other attainment. It is like the group of the Aryasamajis. For example, the Aryasamajis are sitting on the throne today, but do they sit there throughout their life or for 2-5 years? For name sake. Their rule is also almost negligible. Nobody listens to them at all. Although Indira Gandhi becomes the Prime Minister, people throw stones at her nose. So, there is also the minimum kingship. And the maximum kingship is to come in the [list of] eight. Even the eight are number wise.

जिज्ञासुः १२ में राजाई .....

बाबाः है ना बारह। त्रेता में १२ जन्म होते हैं ना। अंतिम तीन जन्मों की राजाई नहीं देखी? सीढ़ी के चित्र में अंतिम तीन जन्म जो कटे हुए दिखाए गए।

जिज्ञासुः वो कौनसी राजाई?

बाबाः वो ही राजाई है जो विनाशकारी है।

जिज्ञासुः लेकिन विनाश का कार्य भी तो अच्छा बताया।

बाबाः अच्छा बताया तो मिल तो गया।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः कटी हुई राजाई।
बाबाः कटी हुई राजाई मिल गई। काटने का काम किया या जोड़ने का काम किया?
जिज्ञासुः लेकिन सही कार्य तो किया।
बाबाः हाँ, हाँ। तो जो ईश्वरीय कार्य किया उसका प्रतिफल मिल गया। एक होते हैं मजदूर, मकान को तोड़ने वाले (और) एक होते हैं मकान को कंस्ट्रक्ट करने वाले। ज्यादा प्राप्ति कौन करते हैं? कंस्ट्रक्टर ज्यादा प्राप्ति करते हैं या तोड़ने वाले ज्यादा प्राप्ति करते हैं? ज्यादा मजदूरी किसको मिलती है? तोड़ तो कोई भी देगा। तोड़ना कोई बड़ी बात नहीं है। दिलों को जोड़ना बड़ी बात है।

Student: The kingship for 12 births.....
Baba: There are twelve [births], aren't they? There are twelve births in the Silver Age, aren't there? Haven't you seen the kingships of the last three births? In the picture of the ladder, the last three births have been shown to be partially cut.
Student: Which kingship is it?
Baba: It is the same kingship which is destructive.
Student: But the task of destruction has also been said (by Baba) to be good.
Baba: It was said to be good; so, they got it.
Student: Partial kingship.
Baba: They got partial kingship. Did they perform the task of cutting or joining?
Student: But they did perform the right job.
Baba: Yes, yes, so, they got the fruits for the godly task that they performed. One are the laborers, they are ones who break the house [and] the other are those who construct a house. Who achieves more attainments? Do the constructors achieve more attainments or do those who demolish [the house] achieve more attainments? Who gets more wages? Anyone can perform the task of demolition. Demolition is not difficult. Joining hearts is a big achievement.

जिज्ञासुः वो ४ जो होते हैं वो जन्म-जन्मान्तर तोड़ने का ही काम करेंगे?
बाबाः उनका धंधा ही ये है। यहाँ शूटिंग ही तोड़ने की करते हैं।
जिज्ञासुः आज की दुनिया में जो भी आज हिंसक कार्य हो रहे हैं, वो सब उनके ही फालोवर कर रहे हैं?
बाबाः बिल्कुल उनके फालोवर हैं। क्रिश्चियंस क्या कर रहे हैं? क्रिश्चियंस में भी जो नास्तिक तबक्का है वो एटम बम्ब बनाने के अलावा क्या काम किया? उन्होंने बड़ा से बड़ा काम क्या किया? एटम बम्ब बनाए दिया।
जिज्ञासुः और इस दुनिया में उसको बड़ा कार्य माना जाता है।
बाबाः बिल्कुल। आशा लगाए बैठे हैं कि एटम बम्ब से हम दुनिया के बड़े-बड़े कारखाने चलाएंगे। लेकिन वो कार्य आज तक संपन्न हो पाया क्या? सवाल ही पैदा नहीं होता।

Student: So, will the (last) four [souls] perform only the task of demolition for many births?
Baba: Their very job is this. They perform the very shooting of demolition here.
Student: It is their followers who are performing the violent tasks that are taking place in today's world?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: They are definitely their followers. What are the Christians doing? Even among the Christians, what did the section of atheists do except for producing atom bombs? Which is the biggest task that they performed? They produced atom bombs.
Student: And that task is considered to be a great task in this world.
Baba: Certainly. They are hoping that they will run big factories of the world with atom bombs (i.e. atomic energy). But has that task been accomplished so far? The question does not arise at all.

समयः 43.22-45.05

जिज्ञासुः बाबा, संगमयुग की दीवाली और शिवरात्र इसका क्या डेफिनेशन है?
बाबाः शिवरात्रि रात्रि के बारह बजे होती है और दीपावली भी रात्रि के बारह बजे दीपक जगाए जाते हैं। लेकिन जब दीपक जगाए जाते हैं, उस समय धर्मराज भी होता है और थाली में रखे हुए १०८ दीपक भी होते हैं जो जग जाते हैं और शिवरात्रि पे सिर्फ एक ही जगता है। शिवरात्रि है संगमयुग की यादगार और दीपावली है सतयुग आने की यादगार क्योंकि सभी दीपक जग जाते हैं। एक से अनेकों का जागरण हो जाता है संग के रंग से। (किसी ने कहा-संक्रांति की यादगार?) संक्रांति। जब नया वर्ष शुरु होना होता है तो उस समय पहले-पहले होती है संक्रांति। उसका क्या नाम दिया पूरा? मकर संक्रांति। राम रावण बनता है कि नहीं? पहले मक्कार बनता है। तो मक्कारपने की अंति हो जाती है। तो नाम रख दिया मकर संक्रांति।

Time: 43.22-45.05
Student: Baba, what is the definition of the *Diwali*[4] and *Shivratri*[5] of the Confluence Age?
Baba: *Shivratri* is celebrated at midnight and on *Dipawali* also lamps are lit at midnight. But when the lamps are lit, there is (a big lamp denoting Dharmaraj as well. And there are also 108 small lamps placed in a plate which are lit. And on *Shivratri* only one [lamp] is lit. *Shivratri* is a memorial of the Confluence Age and *Dipawali* is a memorial of the arrival of the Golden Age because all the lamps are lit. Many lamps are lit by one through the colour of the company. (Someone said: the memorial of Sankranti.) Shankranti When the New Year is about to begin, first of all comes [the festival of] Sankranti. What is its complete name? Makar Sankranti. Does Ram become Ravan or not? First he becomes *makkaar* (wicked). So, the wickedness ends. So, the name Makar Sankranti was given.

समयः 45.10-48.30

जिज्ञासुः शरीर सड़ते जायेंगे और आत्मा पावरफुल बनती है।
बाबाः हाँ, जी।
जिज्ञासुः तो ये श्रीमत पर चलने वालों के लिए भी और श्रीमत पर न चलने वालों के लिए भी लागू होती है?
बाबाः श्रीमत पर ज्यादा चलेंगे उनकी आत्मा और पावरफुल हो जाएगी। शरीर कितना भी काम न करे फिर भी ईश्वरीय सेवा करते रहेंगे। तो पावरफुल हुए या कमजोर हुए? (किसीने कहा-

[4] A festival of lights
[5] A festival celebrated as the birthday of Shiva

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पावरफुल।)

जिज्ञासुः जो नहीं चल रहे हैं उनके भी सड़ रहे हैं ।

बाबाः हाँ, वो ईश्वरीय सेवा नहीं कर पायेंगे। हाय दैया तौबा ज्यादा मचायेंगे। अगर हाय दैया तौबा ज्यादा कोई मचाता है तो तमोप्रधान आत्मा कहें या सतोप्रधान आत्मा कहें? तमोप्रधान आत्मा हो गई। न अपने को सुख न दूसरों को सुख दे पा रहा है। जो योगबल वाले होंगे वो खुद भी सुखी रहेंगे भल शरीर कैसा भी सड़ता जावे और दूसरों को भी पावरफुल बनाते रहेंगे और सुख बांटते रहेंगे।

Time: 45.10-48.30
Student: The bodies will go on rotting and the soul will become powerful.
Baba: Yes.
Student: So, does this apply to those who follow *shrimat* as well as those who do not follow *shrimat*?
Baba: The souls of those who follow *shrimat* more will become more powerful. No matter how much the body does not work, yet they will continue to do the godly service. So, are they powerful or weak? (Someone said: powerful.)
Student: Those who do not follow [*shrimat*], their bodies are also rotting.
Baba: Yes, they will not be able to do the godly service. They will shout and cry a lot . If someone shouts and cries a lot, will he be called a *tamopradhan* soul or a *satopradhan* soul? He is a *tamopradhan* soul. He is not able to happiness either to himself or to the others. Those who have the power of *yoga* (*yogabal*) will remain happy themselves, even if the body goes on rotting and they will also go on making the others powerful, they will keep distributing happiness.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, बोला है जो श्रीमत पर नहीं चलते हैं वो ही सबसे ज्यादा बीमार धीमार संगमयुग पर पड़ते हैं।

बाबाः श्रीमत पर न चलने वाले बीमार धीमार दुःखी रोगी परेशान रहेंगे। ऐसे नहीं कि श्रीमत पर चलने वाले बीमार होंगे नहीं। क्या? बीमार तो सभी हो सकते हैं। कर्मभोग तो सभी का आ सकता है। लेकिन धीमार नहीं। धी माने बुद्धि। उनकी बुद्धि नहीं मारी जाएगी। दुःख अनुभव नहीं करेंगे। बीमार, धीमार, दुःखी ऐसी स्थिति में भी अंदर से सुख महसूस करेंगे। रोगी, परेशान। आत्मिक स्थिति में रहने वाला परेशान अनुभव करेगा या परेशानी से परे अनुभव करेगा? परेशानी से परे रहेगा।

जिज्ञासुः दरिद्रता भी रहेगी उसको?

बाबाः दरिद्रता? दरिद्रता क्या होती है? जिसके पास ज्ञान धन है उसके पास धन जब चाहे तब मुट्ठी में आएगा। जहाँ सुमति तहाँ समपत्ति नाना। जहाँ कुमति तहाँ विपत्ति निधाना। जहाँ सुन्दर मति होती है, श्रीमत होती है वहाँ धन की कमी नहीं होती है। अभी भी अव्यक्त वाणी में बोला, इशारा दे दिया। आज की सरकार होती है ना भ्रष्टाचारी गवर्मेन्ट वो सारी धन संपत्ति हर लेती है। क्या? परन्तु तुम बच्चों का भाग्य का खाता खुल गया है। क्या? भल सरकार सब कुछ

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

लूट ले जाए। लेकिन तुम बच्चों के पास जितनी जरूरत है उससे कहीं ज्यादा मिलता ही रहेगा। तुम्हारा भाग्य का भंडारा खुला हुआ है, खुल गया है। पहले इतना खुला हुआ नहीं था।

Second student: Baba, it has been said that those who do not follow *shrimat* fall more ill in the Confluence Age.
Baba: Those who do not follow *shrimat* will remain ill, disturbed, sorrowful, diseased [and] troubled. It is not that those who follow *shrimat* will not fall sick. What? Everyone can fall sick. Everyone can face the karmic suffering (*karmabhog*). But they will not be depressed (mentally) (*dheemaar*). *Dhi* means the intellect. Their intellect will not be hurt. They will not experience sorrow. 'Diseased, depressed and sorrowful'. Even in such a stage , they will feel happy from inside. 'Diseased, troubled'. Will the one who remains in the soul conscious stage feel disturbed or will he go beyond the stage of disturbance? He will remain beyond disturbances.
Student: Will he also be poor?
Baba: Poverty? What is poverty? The one who has the wealth of knowledge will get wealth whenever he wishes. Where there is wisdom, prosperity is there, wherever there is stupidity, misfortune prevails there. Wherever there is a good intellect, wherever there is *shrimat*, there is no dearth of wealth there. Even now it was said in an *avyakta vani,* a hint was given. The corrupt government of today, takes away the entire wealth and property into its possession. What? But the account of fortune of you children has opened. What? Even if the government loots everything you children will go on getting more than what you require. The treasure box of your fortune has opened. Earlier it was not open to that extent.

समयः 51.35-53.35

जिज्ञासुः बाबा, शंकर की आत्मा कबसे प्रवेश करना शुरु करती है?
बाबाः जब शिव के साथ शंकर मिल जाए। एक हो जाए। शिव का काम खलास हो जाए। जब बोला गया है इस सृष्टि पर सदा कायम कोई चीज़ है नहीं। सदा कायम तो एक... (सभी-शिवबाबा।) तो कौनसा शिवबाबा है? निराकार ज्योतिबिन्दु सदा कायम है या जो ज्योतिबिन्दु संगमयुग में थोड़े समय के लिए प्रवेश करता है वो सदा कायम है? वो सदा कायम है आत्मिक स्थिति में अंतिम जन्म तक रहेगा। आखरी जन्म में जाकर आत्मिक स्थिति खलास। आठों देवताओं को नीचे गिरना पड़ता है।
जिज्ञासुः ८२-८३ जन्म में।
बाबाः ८४ वें जन्म में।

Time: 51.35-53.35
Student: Baba, from when does the soul of Shankar start entering (others' body)?
Baba: When Shankar is combined with Shiva and he becomes one with Him, when the task of Shiva ends. When it has been said that there is nobody who is always present in this world; the one who is always present is only? (Students: Shivababa.) So, which Shivbaba is he? Is the incorporeal point of light always present or is the one in whom that point of light enters in the Confluence Age for some time always present? He is always present; he will remain in the soul conscious stage till the last birth. The soul conscious stage ends in the last birth. All the eight deities have to experience downfall.
Student: In the 82nd, 83rd birth.
Baba: In the 84th birth.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः तो ८३ जन्म तक उनके वो देवत्व गुण रहेगा उसके अंदर?
बाबाः आत्मिक स्थिति। यहाँ की प्रैक्टिस के अनुसार जन्म-जन्मान्तर आत्मिक स्थिति स्थाई रहेगी। जिन आत्माओं ने यहाँ जितना आत्मिक स्थिति की प्रैक्टिस धारण कर ली वो वहाँ सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग तक स्थायी बनी रहेगी। प्रैक्टिस नहीं की तो उतने कम जन्म आत्मिक स्थिति रहेगी। देहभान में आयेंगे। जब फर्स्ट जन्म में विष्णु है तो लास्ट जन्म में विष्णू होगा या नहीं होगा? आदि सो अंत। तो सात्विक स्टेज जितना आदि में बनावेंगे, पहले-पहले सात्विक स्टेज बनावेंगे तो अंतिम जन्म तक वो काम देती रहेगी।

Student: So, they will have those divine qualities in them for 83 births.
Baba: The soul conscious stage. As per the practice of here, the soul conscious stage will remain constant for many births. The more a soul must have practices soul conscious stage here, that [practice] will remain constant there till the Golden Age, the Silver Age, the Copper Age and the Iron Age. If they have not practiced it, the soul conscious stage will remain constant for fewer births to that extent. They will become body conscious. Will there be Vishnu in the last birth or not when there is a Vishnu in the first birth? As is the beginning so is the end. So, the more you achieve a pure (*satvic*) stage in the beginning, the earlier you achieve the pure stage, it will prove useful till the last birth.

समयः 53.40-57.10
जिज्ञासुः बाबा, बोला है वास्तव में ब्राह्मणों को गधा- मजदूरी करने की जरूरत नहीं।
बाबाः माना भीख मांगने की जरूरत है?
जिज्ञासुः ज्ञान लिया है।
बाबाः ज्ञान लिया है? ज्ञान तो लिया है लेकिन ज्ञान लेने का मतलब ये थोड़े ही है कि अपने पेट के लिए अपने ऊपर निर्भर न हों। अरे सीढ़ी के चित्र में बेगर भी दिखाया है तो बेगर क्या गधा मजदूरी नहीं करेगा शुरुआत में? भटकेगा नहीं? भटकना तो पड़े। अरे अपने पेट के लिए दूसरों के ऊपर आधीन होना है क्या? भीख मांगनी है क्या?
जिज्ञासुः तभी तो बेगर बनेगा ना बाबा ।
बाबाः बेघर का मतलब किसी के, अपना कोई घर नहीं है। अपना कोई बार नहीं है। अपनी कोई बैंक-बैलंस नहीं है।

Time: 53.40-57.10
Student: Baba, it has been said that actually the Brahmins need not work like donkeys.
Baba: Do you mean to say, it is necessary to seek alms?
Student: We have obtained knowledge.
Baba: You have obtained knowledge? You have certainly obtained the knowledge but obtaining knowledge does not mean that you should not be self dependent for your livelihood. Arey, even if he has been shown as a beggar in the picture of the Ladder, will the beggar not work like a donkey in the beginning? Will he not wander? He will have to wander. Arey, do we have to depend upon someone else for your livelihood? Should we beg?
Student: Only then will he become a beggar, will he not Baba?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: *Beghar* (homeless / beggar) means that he does not have a house of his own. He does not have any household of his own. He does not have any bank balance of his own.

जिज्ञासुः पेट के लिए कोई जाएगा तो बैलेंस भी बनेगा।
बाबाः पेट के लिए जाएगा तो आज कमाया, आज खाया। तो क्या बैंलेंस बन गया? ऐसे बहुत से मज़दूर हैं जो आज ही कमाते हैं, आज ही खा लेते हैं।
दूसरा जिज्ञासुः रोज कमाना रोज खाना।
बाबाः रोज खाना रोज कमाना। उतना ही खाना जितना कमाना। ऐसे नहीं कि आज कमाई कम की.... (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) नहीं। तो भीख मांग लो। उधार ले लो।
दूसरा जिज्ञासुः और जिस दिन बीमार पड़ गया बाबा तो कैसे कमाएगा, क्या खाएगा?
बाबाः पड़ेगा ही नहीं बीमार। इतनी आत्मिक शक्ति होगी। वो कभी किसी से भीख नहीं मांगेगा। भीख मांगने वाले ही कुछ और किस्म की आत्माएं होती हैं। सब कुछ होते हुए भी भीख मांगती हैं।

Student: If someone works for his livelihood, he will also have a [bank] balance.
Baba: If he goes [to work] for his stomach (i.e. livelihood), if he earns today and eats (i.e. spend) today what balance did he make? There are many labourers who earn today and spend it today itself.
Student: Earning daily and spending daily.
Baba: Eating daily and earning daily. Eating only as much as you have earned. It is not that if you earned less today… (Someone said something.) No, then you start begging or seek a loan.
Student: And the day when he falls ill how will he earn and what will he eat?
Baba: He will not fall ill at all. He will have so much spiritual power that he will never seek alms. Those who seek alms are a different kind of souls. They beg despite having everything.

दूसरा जिज्ञासुः और बेगर के बगल में बाबा ब्रह्मा बाबा को खड़ा हुआ दिखाया है।
बाबाः हाँ जी। उनको थोड़े ही बेगर कहेंगे कि आखरी जन्म में बेघर हो गए। (दूसरे जिज्ञासु ने कहा-उनको उसका वायब्रेशन पड़ता है कि नहीं?) किनको? ब्रह्मा बाबा ने भी किसी से मांगे क्या? उन्होंने भी तो नहीं मांगा किसी से। (दूसरे जिज्ञासु ने कहा-नहीं, वो तो धनी-मनी थे। उनका तो...।) हाँ, जी। हाँ, जी।
जिज्ञासुः बेघर तो हुए नहीं वो।
बाबाः बल्कि उन्होंने इतने खराब काम नहीं किए होंगे जन्म-जन्मान्तर जितने हीरो पार्टधारी को करने पड़ते हैं।
जिज्ञासुः ५० साल कम हो गए ना बाबा।
बाबाः किसके?
जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा के।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वो ५० साल कम हो गए तो अच्छा रहा ना। ये चैन की बंसी बजाए ली ना। चैन की बंसी बजा करके पुरुषार्थ करना और सतयुग में जाके बादशाह बनके बैठ जाना वो ज्यादा अच्छा या यहाँ नाक रगड़ते रहना अच्छा?

Student: And Brahma Baba has been shown to be standing besides the beggar.
Baba: Yes. He will not be called a beggar that he became *beghar* in the last birth. (Student: is he affected by his vibrations or not?) Whom? Did Brahma Baba also beg from anyone? He too did not seek anything from anyone. (Student: no, he was very wealthy. He had…) Yes, yes.
Student: So, he did not become *beghar.*
Baba: Besides he must not have performed as many bad tasks for many births as the hero actor has to perform.
Student: Baba, 50 years were reduced (from his part), weren't they?
Baba: Whose?
Student: Brahma Baba's.
Baba: Those 50 years were reduced; so it was good, wasn't it? He led a carefree life, didn't he? Is it better to make *purusharth* while leading a carefree life and becoming an emperor in the Golden Age or is it better to rub your nose[6] here?

जिज्ञासुः अगर ५० साल पूरे करते तो वो बेगर हो जाते?
बाबाः उनका हिसाब-किताब ही नहीं था बेगर बनने का। आप कितना भी संकल्प करो।
जिज्ञासुः ये तो बातें है बाबा। इसमें संकल्प की क्या बात।
बाबाः क्यों बातें बनाते हो?

Student: Had he completed those 50 years, would he have become a beggar?
Baba: He did not at all have that karmic account of becoming a beggar, no matter how much thoughts you create about it☺.
Student: These are just issues (for the sake of conversation). What is there to create thoughts in this?
Baba: Why do you talk unnecessarily?

समयः 57.40-59.25
जिज्ञासुः बाबा, वैजयंती माला जो है वो युगलों की बताई ना।
बाबाः विजय पाते हैं ना। सन्यासी थोड़े ही विजय पाते हैं। ब्रह्माकुमारियां भी जब तक सन्यास आश्रम में हैं तब तक विकारों पर विजय पा लेंगी या सन्यास से जब गृहस्थी बन जाएं तब विजय पायेंगी? राजयोग की विजय उन्हें कब मिलेगी? जब गृहस्थी बने तब ही विजय मिलेगी।
जिज्ञासुः लेकिन बाबा झाड़ के नीचे जो बताया, वहाँ कन्याएं माताएं दिखाई हैं। वहाँ वैजयंती माला लिखा हुआ है।
बाबाः वो तो माला में लिखा हुआ है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, हाँ। जब संपन्न स्टेज बने तब ना। एडवास नालेज लेंगे तभी ना। संपन्न ज्ञान ही नहीं मिला तो संपन्न स्टेज कैसे बनेगी?

[6] *Naak ragadna*: to entreat abjectly

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 57.40-59.25
Student: Baba, the *Vaijayanti mala* (the rosary of victory) is said to be a rosary of couples, isn't it?
Baba: They gain victory, don't they? The *sanyasis* don't gain victory. Even the Brahmakumaris, will they be able to gain victory over vices as long as they are in the *sanyas ashram*, or will they gain victory when they become householders from *sanyasis*? When will they gain the victory of *Rajyog*? They will get victory only when they become householders.
Student: But Baba, in the picture of the (Kalpa) Tree, in the lower portion virgins and mothers have been shown. *'Vaijayanti mala'* has been written there.
Baba: That is written in the rosary. (Student said something) Yes, yes. It is when they achieve the perfect stage. It is only when they obtain the advance knowledge, isn't it? When they haven't obtained the perfect knowledge itself, how will they achieve the perfect stage?

जिज्ञासुः वो फिर वो वैजयंती माला वहाँ लिखना तो गलत है ना।
बाबाः कहाँ?
जिज्ञासुः वहाँ।
बाबाः क्यों?
जिज्ञासुः सिंगल बताया ना बाबा।
बाबाः सिंगल काहे के लिए? वैजयंती माला होती ही संपूर्ण की है। युगल मणका किस बात की यादगार दिखाया गया है ऊपर? संपन्नता की ही माला यादगार है। संपन्न संगठन है या अधूरा संगठन है? ये ब्राह्मणों का किला ऐसा बन जावेगा जिसमें एक भी विकारी पांव रख नहीं सकेगा। ऐसा संगठन हो जाएगा शक्तियों का। थोड़ी-थोड़ी व्यभिचारी दृष्टि रहे तो चलेगा क्या? थोड़ा-थोड़ा वायब्रेशन व्यभिचारी बनता रहे तो ऐसा संगठन बनेगा क्या?

Student: Then it is wrong to write *'Vaijayanti mala'* there, isn't it?
Baba: Where?
Student: There.
Baba: Why?
Student: It is said to be (a rosary of) single souls, isn't it Baba?
Baba: Why is it single? The *Vaijayanti mala* is only of the perfect ones. The couple bead that has been shown above is a memorial of what? The rosary is a memorial only of perfection. Is it a perfect gathering or an imperfect gathering? This fort of the Brahmins will become such that not even a single vicious person will be able to step in it. The gathering of *shaktis* will become such. Will it do if there is adulterous vision to some extent? Will such a gathering come up if the vibrations go on becoming adulterous to some extent?

समयः 59.30-01.02.34
जिज्ञासुः बाबा, बोला है मैं पतितों का राजा। तो जिस वक्त ये बात बोला वो लोग पतितों के लिस्ट में बहुत सारे थे ना।
बाबाः बहुत सारे थे। लेकिन ये तो तुलसीदास ने लिखा, उनको ये अनुभूति हुई। कि जितना मेरे अंदर विकार है इतने विकार शायद कोई के अंदर नहीं होंगे। काम विकार की पतित वृत्ति

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जितनी मेरे अंदर है उतनी और कोई के अंदर नहीं हो सकती। तो सच्चाई को स्वीकार करना खराब बात है क्या?

जिज्ञासुः तुलसी ने एक बात और बताई है कि तुलसी तुलसी सब कहें, तुलसी बन की घास। तुलसी मिले जब राम से तो हो गए तुलसी दास।

बाबाः हाँ, जी। वो तुलसी भी तो दो प्रकार की है। बन की तुलसी अलग होती है और परिवार की तुलसी अलग होती है। बन की तुलसी भी जब मिल जाए तब असली प्राप्ति है।

जिज्ञासुः इसलिए ब्राह्मण जब भोजन बनाते हैं तो सबसे पहले जो है तुलसी पत्र को भोजन में शामिल किया जाता है।

Time: 59.30-01.02.34
Student: Baba, it has been said, *"Mai patiton ka raja"* (I am a king of the sinful ones). So, the time when this was said, there were many people in the list of sinful ones, weren't there?
Baba: There were indeed many. But this was written by Tulsidas; he experienced this: "Nobody must be as vicious as I am. Nobody can have the sinful vibrations of lust as much as I have". So, is it bad to accept the truth?
Student: Tulsi[dsa] has said one more thing, *Tulsi, tulsi sab kahein, tulsi ban ki ghaas. Tulsi miley jab Ram se toh ho gaye Tulsidas.* (Everyone speaks of Tulsi; it is a forest grass. When Tulsi meets with Ram, he becomes Tulsidas.)
Baba: Yes. That Tulsi is also of two kinds. The *tulsi* (plant) of forest is different. And the *tulsi* (plant) grown at homes is different. The real achievement can be possible when you find the forest *tulsi* as well.
Student: This is why when the Brahmins cook food, first of all the *tulsi* leaves are included in the food.

बाबाः वो संगमयुग की यादगार है। संगमयुग में पहले-पहले भोग काली तुलसी और गौरी तुलसी – ये दो पहले अर्पण हुई थी। और कोई कन्याएं माताएं पहले अर्पण नहीं हुईं। तन से, मन से, धन से। पहले-पहले काली तुलसी और गोरी तुलसी – ये अर्पणमय हुई थी। निभाने की बात अलग है। कोई ने महीने, दो महीने निभा पाया। कोई ने लंबे काल तक निभाया।

जिज्ञासु: काली तुलसी जमुना को कहा गया है ना?

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासुः भोजन में काली तुलसी को शामिल करने का क्या मतलब हुआ बाबा?

बाबाः नहीं। कोई भी तुलसी डाली जा सकती है। भोग लगाते हैं तो बन की तुलसी, काली तुलसी उस का भी भोग लगाते हैं और हरित तुलसी का भी भोग लगाते हैं। हरित तुलसी आराम से मिल जाती है क्योंकि परिवार में घर के अंदर ही पैदा होती है। जंगल की तुलसी जंगल में रहती है, कांटों के जंगल में। भगवान के बगीचे में नहीं होती। और धर्मों के ग्रुप में शामिल हो जाना माने कांटों का जंगल।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: That is a memorial of the Confluence Age. The first *bhog*[7] in the Confluence Age; the dark *tulsi* and the fair *tulsi* had surrendered first. No other virgin or mother surrendered first through the body, mind and wealth. First of all the dark *tulsi* and the fair *tulsi* had surrendered. The question of maintaining [the relationship] is different. Someone maintained [the relationship] for a month or two. Someone maintained it for a long time.
Student: Yamuna has been called the dark *tulsi*, isn't she?
Baba: Yes.
Student: Baba, what is the meaning of including the dark *tulsi* (leaves) in the meals?
Baba: No. Any *tulsi* (leaf) can be included. When the *bhog* is offered, the forest *tulsi*, the dark *tulsi* is also offered and the green *tulsi* is also offered as *bhog*. Green *tulsi* is found easily because it is grown at home, in the family. The forest *tulsi* lives in the forest, in the jungle of thorns. It does not grow in the garden of God. To join the groups of other religions means the jungle of thorns.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

[7] Offering of food made to God

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info